

वरयित्री वि. (तत्.) 1. वरण करने वाली 2. विवाह के लिए व्यक्ति को चुनने वाली, वर का वरण करने वाली।

वरयुवती स्त्री. (तत्.) 1. उत्तम गुणों से परिपूर्ण युवती, श्रेष्ठ युवती, सद्गुणवती युवती 2. एक समवर्णिक छंद, जिसके क्रमशः भगण, रगण, यगण, नगण, नगण और गुरु के योग से कुल 16 वर्ण होते हैं।

वररुचि पुं. (तत्.) तक्षशिला विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित विद्वान, पाणिनी सूत्रों के व्याख्याकार, नंद के अमात्य, वैयाकरण और कवि।

वरला वि. (देश.) अन्य, दूसरा, परला, नदी के उस पार का।

वरवर्णता स्त्री. (तत्.) 1. विभिन्न प्रकार के रंगों का समायोजन, रंगामेजी 2. रंगों का सुसंयोजन।

वरवर्णिनी वि. (तत्.) 1. सुंदर रंग-रूप वाली स्त्री, आकर्षक नैन-नक्श और रंग-रूप वाली 2. सरस्वती, 3. लक्ष्मी 4. पार्वती 5. दुर्गा।

वरवर्णी वि. (तत्.) सुंदर रंग-रूप वाला पुरुष, आकर्षक व्यक्तित्व का पुरुष।

वरही¹ पुं. (देश.) नववधू को पहनाया जाने वाला एक प्रकार का स्वर्ण आभूषण।

वरही² पुं. (देश.) मयूर, मोर, बादल देख कर नृत्य करने वाला एक सुंदर पक्षी, भारतवर्ष का राष्ट्रीय पक्षी।

वरांग पुं. (तत्.) 1. मानव शरीर का श्रेष्ठ अंग 2. मस्तक, सिर 3. योनी, भग 4. हाथी वि. सुंदर शरीर वाला, रूपवान।

वरांगना वि. (तत्.) सुंदर अंगों वाली स्त्री, कटीले नैन-नक्श वाली।

वरांगनी वि. (तत्.) दे. वरांगना।

वरांगी वि. (तत्.) दे. वरांगना।

वराँडा पुं. (अं.) ऊपर से ढका हुआ और घर के साथ लगा खुला स्थान, बरामदा।

वराक वि. (तत्.) निरीह, बेचारा।

वराट पुं. (तत्.) 1. जल उत्पाद, कमलगट्टे का बीज 2. कौड़ी 3. डोरी, रस्सी।

वराटक पुं. (तत्.) दे. वराट।

वराटिका स्त्री. (तत्.) 1. कौड़ी 2. तुच्छ वस्तु, प्रभावहीन वस्तु, मामूली चीज।

वरानन वि. (तत्.) सुंदर मुखवाला, आकर्षक चेहरे वाला।

वरानना वि. (तत्.) सुंदर मुखवाली, सुडौल, सुमुखी।

वरान्न पुं. (तत्.) उत्तम अन्न, श्रेष्ठ अन्न जैसे- जौ और चावल।

वरायन पुं. (तत्.) वर पक्ष की स्त्रियों द्वारा विवाह उत्सव पर गाए जाने वाले गीत, विवाह के महत्वपूर्ण लोक गीत।

वरारोह पुं. (तत्.) 1. विष्णु 2. सवार 3. हाथी पर सवार आदि 4. एक प्रकार का पक्षी वि. 1. श्रेष्ठ आरोही 2. श्रेष्ठ वाहन वाला 3. सुंदर नितंबों वाला।

वराह पुं. (तत्.) 1. विष्णु 2. अठारह द्वीपों में से एक द्वीप 3. कूड़ा-कचरा पसंद करने वाला, कुत्ते से कुछ बड़े आकार का शाकाहारी पशु, शूकर, सुअर।

वराहक्रांता स्त्री. (तत्.) 1. वाराही, (आठ मात्रिकाओं में से एक 2. एक योगिनी वि. लज्जाशील, शर्मीला।

वराहमिहिर पुं. (तत्.) 'बृहत्संहिता' का प्रणेता, एक प्रसिद्ध ज्योतिषी, सम्राट विक्रमादित्य के नवरत्नों में से एक।

वराही स्त्री. (तत्.) कूड़ा-कचरा पसंद करने वाली कुत्ते से कुछ बड़े आकार की शाकाहारी मादा पशु, शूकरी, सुअरी।

वरि स्त्री. (तत्.) पुरुष ने जिस स्त्री का वरण किया हो, सहधर्मिणी, पत्नी।

वरियाम वि. (तत्.) उत्तम, परम, श्रेष्ठ।

वरियार स्त्री. (तत्.) एक ओषधि मूलक झाड़ अथवा झाड़ी, बला, खिरंटी।